ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, शुक्रवार 06 जून 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 68

पीएम ने तिरंगा लहराकर चिनाब आर्च ब्रिज का उद्घाटन किया:कहा- PAK ने इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला किया, हमने उस पर कयामत बरसा दी

पीएम मोदी ने शुक्रवार को पहलगाम हमले के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। उन्होंने यहां के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज का तिरंगा दिखाकर उद्घाटन किया। इसके बाद अंजी ब्रिज और कटरा में कश्मीर की पहली ट्रेन कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई।

मोदी ने कटरा में 42 मिनट का भाषण दिया। इसमें आतंकवाद, पाकिस्तान और कश्मीर के टूरिज्म का जिक्र किया। पीएम ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमारे पड़ोस का देश, मानवता का विरोधी, मेलजोल का विरोधी है। वह ऐसा देश है जो गरीब की रोजी-रोटी का भी विरोधी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो हुआ, वह इसी का उदाहरण है। पाकिस्तान ने इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला किया। हमने 6 मई को उस पर कयामत बरसा दी।'

चिनाब आर्च ब्रिज रियासी जिले में बक्कल और कौड़ी के बीच बना है। इसे 2003 में मंजूरी मिली थी। शुरुआती प्लान के मुताबिक इसे 2009 तक तैयार हो जाना था, लेकिन इसे पूरा होने में 22 साल लग गए। यह सवा किमी से ज्यादा लंबा है और नदी से ऊंचाई 359 मीटर है। यह पेरिस के एफिल टावर (330 मीटर) से 29 मीटर ऊंचा है। लागत 1486 करोड़ रुपए है।

देश के पहले केबल स्टे अंजी ब्रिज का भी उद्घाटन

पीएम ने मोदी ने अंजी खड्ड पर बना भारत का पहला केबल स्टे रेल ब्रिज का भी उद्घाटन किया। यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है।

यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

कश्मीर को जोड़ने वाली पहली ट्रेन भी शुरू

पीएम मोदी सबसे आखिर में कटरा पहुंचे। यहां के रेलवे स्टेशन पर उन्होंने कश्मीर को जोड़ने वाली कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंदी दिखाई। नॉर्दर्न रेलवे 7 जून से कटरा-श्रीनगर रूट पर वंदे भारत ट्रेन सर्विस शुरू कर देगी। IRCTC की वेबसाइट पर टिकट बुकिंग की जा सकेगी। हफ्ते में 6 दिन दो ट्रेनें कटरा और श्रीनगर के बीच चलेंगी।

नॉर्दर्न रेलवे ने बताया कि ट्रेन में दो ट्रैवल क्लास हैं। चेयरकार का किराया 715 रुपए और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1320 रुपए है। अभी ट्रेनें सिर्फ बनिहाल में रुकेंगी, अन्य स्टॉपेज पर फैसला बाद में होगा।

अयोध्या राम मंदिर में अब तक 45 किलो सोना लगा:पूर्व IAS नृपेंद्र मिश्र बोले- राम दरबार के लिए बन रहा रास्ता, मुफ्त पास जारी होंगे

'अयोध्या राम मंदिर में अब तक 45 किलो सोने का इस्तेमाल किया गया है। जिसकी कीमत टैक्स छोड़कर करीब 50 करोड़ रुपए है।'

यह दावा शुक्रवार को राम मंदिर निर्माण समिति चेयरमैन पूर्व IAS नृपेंद्र मिश्र ने किया। उन्होंने बताया, मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर गर्भगृह, जहां रामलला विराजमान हैं, वहां सभी 20 दरवाजों और सिंहासन में सोना मढ़ा गया है। ग्राउंड फ्लोर पर 14 और पहले फ्लोर पर 6 दरवाजे हैं। सभी पर 3-3 किलो सोने की परत चढ़ाई गई है।

जन्मभूमि परिसर में बने शेषावतार मंदिर समेत अन्य मंदिरों में भी सोना लगेगा। नृपेंद्र मिश्र ने बातचीत में बताया, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के एक बहुत बड़े कारोबारी हैं, दिलीप जी उनका नाम हैं। उन्होंने सोमनाथ और काशी के विश्वनाथ मंदिर में भी सोना दान किया था। यहां पर उन्होंने करीब 45-50 किलो सोना दान किया है।

कारोबारी ने दान कब किया था, नृपेंद्र मिश्र ने जानकारी नहीं दी है। गुरुवार को राम मंदिर के पहले फ्लोर पर राजा राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हुई। जिसमें मां सीता, भाई भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न और बजरंगबली की मूर्तियां हैं।

20 दिन में कोरोना केस 93 से 5364 हुए:55 मौतें, 24 घंटे में 500 नए मामले; ओडिशा के स्कूलों में मास्क अनिवार्य

देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 20 दिन में केसों की संख्या में 58 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5364 पहुंच गई है।

कोरोना 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गया है। बीते 24 घंटे में 500 नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1679 मामले हैं। इसके बाद गुजरात में 615, पश्चिम बंगाल में 596, दिल्ली में 592 और महाराष्ट्र में 548 एक्टिव केस हैं।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से अब तक 55 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 53 की मौत 15 दिनों में हुई हैं। गुरुवार को दिल्ली में कोविड से दो और मौतें दर्ज की गईं। इनमें एक पांच महीने का बच्चा भी शामिल है। वहीं, केरल में 2, कर्नाटक और पंजाब में 1-1 मौत हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 17 मरीजों ने जान गंवाई है।

ओडिशा में गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल कोविड गाइडलाइन के तहत खोले गए हैं। शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने बताया कि जिन बच्चों को सर्दी, खांसी या बुखार जैसे हल्के लक्षण हैं, उन्हें स्कूल में मास्क पहनना अनिवार्य है। गंभीर लक्षण वाले बच्चों को घर पर ही रहकर आइसोलेट होने की सलाह दी गई है।

कोरोना को लेकर राज्यों में मॉक ड्रिल हुई

केंद्र सरकार गुरुवार को देश भर के राज्यों के चुनिंदा अस्पतालों में मॉक ड्रिल हुई। इस दौरान इन अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई, जरूरी दवाओं की स्थिति और वेंटिलेटर की व्यवस्थाओं को परखा गया। इससे बनी रिपोर्ट में कोरोना की चौथी लहर आने की स्थिति में अस्पतालों की तैयारियों पर रेटिंग दी जाएगी। इससे पहले 2 जून को एक शुरुआती मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें हेल्थ सर्विस इन्फ्रास्ट्रक्चर की उपलब्धता के लिए अस्पतालों की रेटिंग दी गई थी। इसमें लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंक, प्रेशर स्विंग एडजॉर्पशन प्लांट और मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम पर फोकस किया गया था।

अगस्त तक सभी सरकारी दफ्तरों में लगेंगे प्री पेड मीटर:चंडीगढ़ में हुई बिजली मंत्रियों की मीटिंग में फैसला, छह घंटे तक चली मीटिंग

अगस्त 2025 तक सारे सरकारी ऑफिसों, सरकारी मुलाजिमों और सरकारी कॉलोनियों में प्री-पेड स्मार्ट मीटर लगा दिए जाएंगे। पहले पेमेंट करो, बाद में सेवा मिलेगी। इसके बाद दूसरे कंज्यूमर पर यह सिस्टम लागू होगा।दूसरे फेज में कॉमर्शियल हाई वोल्टेज और इंडस्ट्रीज को कवर किया जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चंडीगढ़ में करीब प्रदेशों और केंद्र शासित प्रदेशों के बिजली मंत्रियों व अधिकारियों से मीटिंग के बाद मीडिया को दी। उन्होंने कहा कि करीब छह घंटे तक मीटिंग चली है। इसमें पावर सप्लाई से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर स्ट्रेटेजी तैयार की गई है। बैठक में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बिजली मंत्री शामिल हो रहे हैं। **पावर की कमी नहीं होने देंगे:** बिजली मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है। विकसित भारत बनाने का पावर डिपार्टमेंट का नारा है "पावर फॉर ऑल"। पावर की कमी नहीं होने देंगे। आज हम पावर सरप्लस हो चुके हैं।

पीक डिमांड: पीक डिमांड एक ऐसा विषय होता है जिसमें पावर की सप्लाई को धारण करना होता है। गर्मी के दिनों में यह बात आती है। 2024 में पीक डिमांड 250 गीगावाट आई थी। कभी-कभी यह 269 गीगावाट तक हो सकती है। हमारी पूरी तैयारी है, कमी नहीं आएगी।

राज्य को अपना ट्रांसमिशन सिस्टम कैसे अपने बनाए, इस पर स्ट्रेटेजी बनी। राज्य और प्राइवेट प्लेयर पीपीपी मोड पर आ सकें, इस पर चर्चा हुई। 2032 तक ऐसा अनुमान है कि 47 लाख करोड़ की इन्वेस्टमेंट होने वाली है। प्रदेश भी अपने पास से इन्वेस्टमेंट करे। केंद्र ने डेढ़ लाख करोड़ रुपए बिना ब्याज जारी किया है। एनर्जी एफिशिएंसी के बारे में नियम बताए गए।

डिस्ट्रिब्यूशन लॉस: डिस्ट्रिब्यूशन लॉस को बंद करें। नेशनल लेवल पर नुकसान 16 फीसदी है। कुछ प्रदेशों में यह 17 से 20 फीसदी तक है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर पर जोर दिया गया है। 2014 में यह 32 फीसदी था, जो कि बढ़कर 49 फीसदी तक पहुंच गया है। जल्दी ही यह 50 फीसदी कर जाएगा।

बेंगलुरु भगदड़ मामला: हाईकोर्ट से क्रिकेट एसोसिएशन को राहत

24 न्यूज अपडेट, बेंगलुरू। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 4 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की विक्ट्री परेड से पहले मची भगदड़ में 13 वर्षीय एक लड़की सहित 11 लोगों की मौत और 33 अन्य घायल हो गए थे। इस भीषण हादसे के बाद पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है और सरकार ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को अपने राजनीतिक सचिव के. गोविंदराज को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। इसके साथ ही सूचना विभाग के प्रमुख हेमंत निंबालकर का तबादला भी कर दिया गया है। इससे पहले गुरुवार को सीएम ने बेंगलुरु के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद सहित 8 अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। इन अधिकारियों में एसीपी, डीसीपी, सर्किल इंस्पेक्टर, स्टेशन हाउस मास्टर और SHO जैसे पुलिसकर्मी शामिल हैं। अब सीमंत कुमार सिंह को नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

दूसरी ओर, कर्नाटक हाईकोर्ट ने कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) के अधिकारियों की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। KSCA ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कराने के लिए याचिका दायर की थी। जस्टिस कृष्ण कुमार की एकल पीठ ने अगली सुनवाई 16 जून तक स्थगित करते हुए तब तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है।

भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने KSCA, RCB और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी DNA एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। पुलिस के अनुसार KSCA के सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम फरार हैं। वहीं, RCB के सीनियर मार्केटिंग हेड निखिल सोसाले को दुबई रवाना होते समय एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने गिरफ्तारी को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इसके अलावा, DNA कंपनी के तीन अधिकारी किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू भी गिरफ्तार किए गए हैं। इस घटना की जांच के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल डी'कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया है, जिसे 30 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। इसके अलावा, मामले की जांच अब CID को सौंपी गई है और एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन भी किया गया है। RCB के अधिकारी निखिल सोसाले पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर सेरेमनी और विक्ट्री परेड के फ्री पास की जानकारी साझा की, जिससे भारी संख्या में लोग स्टेडियम के बाहर उमड़ पड़े। लाखों की संख्या में लोग खिलाड़ियों को देखने पहुंचे थे, जिससे नियंत्रण से बाहर भीड़ ने भगदड़ का रूप ले लिया। सरकारी रिपोर्ट में हादसे के पांच प्रमुख कारण बताए गए हैं। सबसे ज्यादा मौतें गेट नंबर 15 और 20 पर भीड़ की बेकाबू स्थिति के कारण हुईं। स्टेडियम में मेडिकल सुविधाएं और पुलिस बल मौजूद नहीं था। मोबाइल जैमर लगे होने से लोग संपर्क नहीं कर पाए और ट्रैफिक के कारण एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंच सकी। बुधवार को बेंगलुरु मेट्रो में रिकॉर्ड 9.6 लाख यात्रियों ने सफर किया, जिससे स्टेशन बंद करने पड़े और भीड़ और ज्यादा बेकाबू हो गई। वहीं, पुलिस पास के एक सरकारी कार्यक्रम में वीवीआईपी ड्यूटी में व्यस्त थी, जिससे स्टेडियम के पास नियंत्रण नहीं हो पाया।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 10 जून तय की है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में सवाल उठाया कि RCB के उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने की जरूरत क्यों पड़ी जो देश के लिए नहीं खेलते। यह मामला अब राजनीतिक और कानूनी दोनों ही मोर्चों पर गरमा गया है। पूरे राज्य की नजरें अब जांच आयोग की रिपोर्ट और हाईकोर्ट की आगामी सुनवाई पर टिकी हुई हैं।

लोन सस्ते होंगे, RBI ने ब्याज दर 0.50% घटाई:20 साल में 20 लाख के लोन पर करीब 1.48 लाख का फायदा

24 न्यूज अपडेट

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) बैंकों को दिए जाने वाले कर्ज की दर यानी रेपो रेट में 0.50% की कटौती की है। अब रेपो रेट 5.50% रह गया है। इससे बैंकों को RBI से कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा।

ब्याज में इस कटौती को बैंक अपने ग्राहकों को ट्रांसफर करते हैं, तो आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। लोन सस्ते होने पर लोगों की मौजूदा EMI भी घट जाएगी।

ब्याज दरों में कटौती का फैसला मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 जून तक चली मीटिंग में लिया गया। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 6 जून की सुबह इसकी जानकारी दी।

ब्याज में कटौती का असर उदाहरण से समझें

RBI जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। महंगाई कंट्रोल करने के लिए इसे बढ़ाया-घटाया जाता है।

ताजा कटौती के बाद 20 साल के लिए लिए गए 20 लाख के लोन पर करीब 1.48 लाख का फायदा मिलेगा। इसी तरह 30 लाख के लोन पर 2.22 लाख का फायदा होगा। नए और मौजूदा ग्राहकों दोनों को इसका फायदा मिलेगा।

अब गोल्ड पर मिलेगा ज्यादा लोन: 1 लाख कीमत के सोने पर 85,000 तक कर्ज देंगे बैंक; RBI ने बदले नियम

24 न्यूज अपडेट

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने गोल्ड लोन के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। रिजर्व बैंक ने 2.5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू (LTV) रेश्यो 75% से बढ़ाकर 85% कर दिया है। इस फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। इस फैसले के बाद मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस और IIFL फाइनेंस के शेयरों में 2% से 7% तक की तेजी देखी गई।

नए नियमों से मिलेगा ज्यादा गोल्ड लोन

अब 1 लाख रुपए की गोल्ड वैल्यू पर 85,000 रुपये तक लोन मिल सकेगा, पहले यह सीमा 75,000 रुपए थी। 2.5 लाख रुपए तक के छोटे गोल्ड लोन पर क्रेडिट अप्रेजल की जरूरत नहीं होगी, यानी कागजी कार्रवाई कम होगी और लोन जल्दी मिलेगा।

इससे छोटे कर्जदार खासकर ग्रामीण और छोटे शहर वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए के लिए लोन लेना और आसान हो जाएगा।

सेंसेक्स 746 अंक चढ़कर 82,188 पर बंद:निफ्टी भी 252 अंक बढ़कर 25003 पर पहुंचा; बैंकिंग और फाइनेंस शेयर में रही तेजी

24 न्यूज अपडेट

RBI की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी के ब्याज दरों में कटौती के बाद शेयर बाजार में आज यानी 6 जून को तेजी रही। सेंसेक्स 746 अंक की बढ़त के साथ 82,188 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 252 अंक की बढ़त रही। ये 25,003 पर बंद हुआ। आज के कारोबार में बैंकिंग, फाइनेंस, ऑटो और मेटल शेयर्स में आज ज्यादा बढ़त रही। श्रीराम फाइनेंस का शेयर 5.46% और बजाज फाइनेंस का शेयर 4.90% चढ़कर बंद हुआ। वहीं JSW स्टील के शेयर में 3.56% की तेजी रही।

बैंक निफ्टी आज अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। ये 817 अंक (1.47%) बढ़कर 56,578 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान इसने 56,695 का लेवल हुआ। वहीं इससे पहले इससे ये 55,699 पर ओपन हुआ था।

संपादकीय : जश्न बनाम मातम

बंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जुटी भीड़ के अनियंत्रित हो जाने के बाद भगदड़ में ग्यारह लोगों की मौत और तीस से ज्यादा लोगों के घायल होने की घटना एक बार फिर आयोजन में बरती गई घोर लापरवाही का ही उदाहरण है। हैरानी की बात यह है कि वहां क्रिकेट प्रेमियों की जितनी बड़ी संख्या जुटी थी, उसमें आशंका के बावजूद कई स्तर पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी की गई और एक तरह से हादसे की जमीन तैयार होने दी गई। गौरतलब है कि इंडियन प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के तहत रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अठारह वर्षों के बाद खिताबी जीत हासिल की थी। इस जीत पर आम लोगों का खुशी जाहिर करना स्वाभाविक था, लेकिन वहां हालात ऐसे हो गए कि इस क्रम में उम्मीद से काफी ज्यादा लोग जमा हो गए। इसके बाद स्टेडियम में प्रवेश करने की एक जगह अव्यवस्था फैल गई और फिर भगदड़ मच गई। नतीजा बेहद त्रासद साबित हुआ, जिसमें अपनी पसंदीदा टीम की जीत पर जश्न मनाने पहुंचे कई लोगों की भगदड़ में कुचल कर मौत हो गई और कई बुरी तरह घायल हो गए। सवाल है कि मैचों का आयोजन करने के लिए जिम्मेदार संबंधित क्रिकेट संगठन और पुलिस के लिए इस बात का अंदाजा लगाना जरूरी क्यों नहीं लगा कि जितनी बड़ी तादाद में लोग वहां इकट्ठा हो गए थे और मैच के नतीजे के बाद से ही जश्न मनाने का जो स्वरूप देखने में आ रहा था, उसके बाद कैसे हालात पैदा हो सकते हैं। यह भी खबर आई कि करीब पैंतीस हजार लोगों के आने की उम्मीद थी, लेकिन वहां दो से तीन लाख लोग आ गए। इस बात की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि स्टेडियम की क्षमता से करीब दस गुना ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने के क्या कारण थे और उन्हें एक जगह पर जमा होने से रोकने के लिए क्या इंतजाम किए गए। जीत के कुछ समय बाद जश्न मनाने के बजाय इतनी जल्दी कार्यक्रम की इजाजत क्यों और किस स्तर पर दी गई ? क्या मुफ्त पास मिलने की खबर के बाद जश्न में शामिल होने वाले लोगों की संख्या और पैदा होने वाली स्थितियों या आशंकाओं का आकलन किया गया? इस तरह के जश्न मनाए जाने की घोषणा और कार्यक्रम 'शुरू होने के बीच कितना समय था और इसमें लोगों की भीड़ से निपटने के लिए कैसी तैयारी की गई ? विडंबना यह है कि किसी खेल में जीत-हार को खेल भावना के तहत ही देखने और संयमित अभिव्यक्ति की संस्कृति को बढ़ावा देने को लेकर सरकार और खेल संगठन शायद ही कभी गंभीर होकर सोचते हैं। इसके अलावा, देश भर में आए दिन धार्मिक आयोजनों सहित अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों में लोगों के जमावड़े और उसके बाद अव्यवस्था की वजह से होने वाली भगदड़ में लोगों की जान जाने की घटनाएं होती रहती हैं। हर बार इस तरह की त्रासदी को महज हादसा मान कर आमतौर पर नजर अंदाज कर दिया जाता है। लेकिन शायद ही कभी भगदड़ की किसी घटना से सबक लेकर लोगों की संख्या, जुटने के लिए नियम - कायदे और भगदड़ रोकने के लिए हर स्तर पर व्यवस्था और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाता है। हालत यह है कि जब किसी वजह से भगदड़ मच जाती है, तब बचाव और राहत कार्यों के लिए भी पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते। नतीजतन, किसी अफवाह या अप्रत्याशित कारण से अचानक ही लोगों के भीतर अफरा-तफरी मच जाती है और जश्न या खुशी का मौका मातम की त्रासदी में बदल जाता है।

मनमानी के बावजूद

हैरत की बात है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से बड़ी सहायता राशि मिलने के बाद अब एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भी पाकिस्तान को अस्सी करोड़ डालर की आर्थिक मदद की मंजूरी दे दी है। जबकि वह न तो वित्तीय संस्थाओं की शर्तों का पालन करता है और न ही वास्तव में आर्थिक सुधार के लिए कोई कदम उठाता है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की चिंता स्वाभाविक है कि पाकिस्तान ने सहायता राशि विकास कार्यों में लगाने के बजाय उसका दुरुपयोग ही किया है। सच यह है कि नीति आधारित कर्ज का इतना बेजा इस्तेमाल दुनिया का शायद ही कोई देश करता हो। यह छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान सहायता राशि का इस्तेमाल अपनी फौजी प्राथमिकताओं को पूरा करने और आतंकवादियों को पालने - पोसने में करता आया है। ऐसे में भारत की आपत्ति की अनदेखी नहीं की जा सकती। यह निराशाजनक ही है कि आर्थिक सुधारों पर जोर देने के बजाय पाकिस्तान हमेशा अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में ही लगा रहा। उसने सीमा पार से जिस तरह से भारत के लिए चुनौती बढ़ाई है, उससे क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा पैदा हो गया है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही संकट में है। वित्त वर्ष 2023-24 में उसका कर संग्रह तेरह फीसद से घट कर 9.2 फीसद पर जा पहुंचा है। यह एशिया प्रशांत क्षेत्र के औसत 19 फीसद से काफी नीचे है। विचित्र बात है कि घटते कर और जीडीपी अनुपात के बावजूद वह अपना रक्षा खर्च लगातार बढ़ा रहा है। आज उसके वित्तीय संस्थान कुप्रबंधन के शिकार हैं। पाकिस्तान में शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदहाली किसी से छिपी नहीं। इसका खमियाजा वहां के नागरिक भोग रहे हैं। वैश्विक बाजार में उसे कई बार शंका की निगाह से देखा जाता है। विकास योजनाओं को लागू करने में पिछड़ने की सबसे बड़ी वजह सेना है। दरअसल, वह हर बार सहायता राशि का बड़ा हिस्सा सोख लेती है। सवाल है कि पैसा डूब जाने के जोखिम के बावजूद वैश्विक वित्तीय संस्थाएं पाकिस्तान की बार-बार मदद क्यों करती हैं। यह समझ से परे है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी देश को इस स्तर पर जाकर सहायता करने के नतीजों का आकलन क्यों नहीं किया जाता !

रंजिश बनी मौत की वजहः होटल में खाना खाते युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, 25 हमलावरों ने की थी घेराबंदी, जैसलमेर से पकड़े गए 3 आरोपी, रास्ते में भागने के प्रयास में टूटे तीनों के पैर

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जिले के सेमलपुरा क्षेत्र में बीते 1 जून की रात एक होटल में खाना खा रहे युवक की दिनदहाड़े गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। मृतक अजयराज सिंह झाला (33) रिटायर्ड एएसआई शिव सिंह झाला का बेटा था। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों को जैसलमेर से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि करीब 22 अन्य हमलावरों की तलाश अब भी जारी है।

रंजिश और बजरी परिवहन बना हिंसा की जड़

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह हत्या पुरानी आपसी रंजिश और बजरी परिवहन से जुड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते की गई थी। दोनों पक्षों में पहले से तनातनी थी, जो इस हद तक बढ़ गई कि करीब 7 गाड़ियों में सवार होकर आए 25 से अधिक हमलावरों ने होटल को चारों ओर से घेर लिया और फायरिंग शुरू कर दी। खाना खाते समय बरसीं गोलियां, होटल में मचा कोहराम घटना रात करीब 9 बजे कोटा-उदयपुर फोरलेन पर स्थित काछीखेड़ा के पास हुई। मृतक अजयराज सिंह अपने तीन दोस्तों ओमकार शर्मा, गजेंद्र सिंह चौहान और शैलेन्द्र सिंह शेखावत के साथ होटल में खाना खा रहा था। तभी हमलावरों ने एकाएक चारों ओर से हमला कर दिया और गोलियों की बौछार कर दी।

हत्या के बाद शव को होटल की पहली मंजिल से फेंका गया नीचे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली लगने के बाद जब अजयराज नीचे गिरा तो आरोपी भैरूलाल गुर्जर (हिस्ट्रीशीटर) और डिग्गी राज सिंह ने उसे उठाकर होटल की पहली मंजिल से खेत में फेंक दिया। इसके बाद भी गोलियां चलाई गईं और तलवार से उसके चेहरे पर वार किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि अजयराज को लगी एक गोली हाथ को चीरती हुई फेफड़ों में पसलियों के पास जाकर फंस गई, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उसकी जान चली गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जैसलमेर से पकड़े गए तीन आरोपी, भागने की कोशिश में टूटे पैर

पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल और एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जैसलमेर से तीन आरोपियों हर्षवर्धन सिंह (राशमी), मनोज चौधरी (भीलवाड़ा) और बद्री जाट (भीलवाड़ा) को गिरफ्तार किया। जैसलमेर से चित्तौड़गढ़ लाते समय गंगरार के पास तीनों ने भागने की कोशिश की, जिसमें एक आरोपी पुल से नीचे कूद गया और उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए, वहीं दूसरा आरोपी नाली में गिरा। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल से बरामद हुए 7 गोलियों के खोल पुलिस द्वारा मौके की जांच में 7 गोलियों के खोल बरामद किए गए हैं, जबकि आठवीं गोली वही थी जो मृतक को लगी थी। यह साबित करता है कि आरोपी जानलेवा हमले की पूरी तैयारी के साथ आए थे।

13 के खिलाफ नामजद रिपोर्ट, 10 अब भी फरार

पुलिस ने इस मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनमें से 3 गिरफ्तार हो चुके हैं। फरार आरोपियों में शामिल हैं दृ ईश्वर सिंह चौहान, मोंटी सिंह उर्फ सत्यवीर सिंह, राहुल (अजमेर), राजपाल सिंह, भेरू सिंह गुर्जर, गोपाल गुर्जर, कुलदीप सिंह, डिग्गी राज सिंह, कमल सिंह, विक्रम सिंह और भगवान सिंह। इनमें से भेरू सिंह गुर्जर और ईश्वर सिंह के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड हैं और दोनों हिस्ट्रीशीटर हैं। डीएसपी विनय चौधरी ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और वारदात में प्रयुक्त गाड़ियों की तलाश जारी है। जिलेभर में नाकाबंदी की गई है और तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

नाबालिग बालिका का अपहरणकर्ता पांच हजार रूपये का ईनामी गिरफ्तार, बालिका दस्तयाब।

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेडा। नाबालिग बालिका का अपहरण करने वाले पांच हजार रूपये का ईनामी बदमाश को कोतवाली निम्बाहेड़ा थानां पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वही बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को सिपुर्द किया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि 16 मार्च को निम्बाहेड़ा कोतवाली के आक्या निवासी कमल कीर पुत्र मदनलाल कीर उसके गांव की ही एक नाबालिग बालिका को अपहरण कर ले जाने के मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण मे माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में दायर डी.बी. हैबियस कॉपरस रिट याचिका में प्राप्त निर्देशो की पालना में बालिका की दस्तियाबी हेतु आरोपी व अपहृता की तलाश के लिए पांच पांच हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की गई।

एएसपी चित्तौड़गढ़ सरीता सिंह व डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्री लाल राव के मार्गदर्शन में थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेडा रामसुमेर पु.नि. के निर्देश पर एएसआई सूरज कुमार व पुलिस जाप्ता कानि. रणजीत, विरेन्द्र सिह, रणजीत जाखड़, महीला कानि. राजबाला द्वारा नाबालिग के अपहरण के समय से काफी प्रयास कर कई अधिक सीसीटीवी फुटेज देख कर जानकारी प्राप्त की गई तो नाबालिग बालिका का अपहरण कमल कीर निवासी आक्या द्वारा करना पाया गया। कमल कीर की अन्तिम सीसीटीवी फुटेज मे अजमेर के पास दिखाई दिया जिसके आधार का आगे के पुलिस थानो पर ईस्तयार वगेरा चस्पा किये गये। आसुचना संकलन के आधार पर जानकारी प्राप्त कर अपहरण कर्ता के गिरफ्तारी हेतु प्रयास किये गये। 04 जून को सुचना पर अपहरण कर्ता व अपहर्ता जोडियो की ढाणी माण्डोता सीकर मे मजदुरी करते पाए गये। बालिका को दस्तयाब कर आरोपी कमल कीर पुत्र मदनलाल कीर को डिटेन कर थाना कोतवाली निम्बाहेडा पर लाये। बालिका को परिजनो को सुपुर्द की गई तथा आरोपी कमल कीर को गिरफ्तार किया जाकर पुलिस अभिरक्षा रिमाण्ड प्राप्त कर अनुसंधान किया जा रहा है।

राजसमंद में 3 स्थायी वारंटी गिरफ्तारः8 साल से चल रहे थे फरार, अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर दबोचा

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद में रेलमगरा पुलिस ने 3 स्थायी गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी पिछले 8 से फरार चल रहे थे।

रेलमगरा पुलिस थाना इंचार्ज सोनाली शर्मा ने बताया कि एएसपी महेन्द्र पारीक के नेतृत्व में रेलमगरा पुलिस थाने की विशेष टीम का गठन किया गया। जिस पर पुलिस की टीम ने अलग—अलग स्थानों पर दबिशें देकर 3 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में शांतिलाल (36) पुत्र गणेशलाल रेगर निवासी रेलवे कॉलोनी आमेट, मीठालाल कालबेलिया (34) पुत्र छोगालाल कालबेलिया निवासी सेगणवास पुलिस थाना आमेट, गोपाललाल पुत्र लादूलाल भांड निवासी भांडखेड़ा थाना मांडलगढ़ जिला पुलिस को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस की टीम में थाना इंचार्ज सोनाली शर्मा, एएसआई बल्लूराम, हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह, कॉन्स्टेबल जयनारायण, पुष्पेन्द्र सिंह, हरिराम, राहुल, रतनलाल शामिल रहे।

चिकलवास गांव में 20 फीट गहरे कुएं में गिरी गाय, सिविल डिफेंस की टीम ने 15 मिनट में किया रेस्क्यू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। चिकलवास गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे एक गाय खेत में बने बिना मुंडेर के करीब 20 फीट गहरे कुएं में गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही एनिमल एड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने लगभग दो घंटे तक लगातार प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। इसके बाद जिला प्रशासन से सहायता मांगी गई और उदयपुर सिविल डिफेंस की टीम को मौके पर बुलाया गया। सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर पहुंचते ही स्थिति का आकलन किया और मात्र 15 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद गाय को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया। गाय को जीवित अवस्था में उसके मालिक को सौंप दिया गया। रेस्क्यू अभियान में सिविल डिफेंस के अनुभवी गोताखोर विपुल चौधरी, नरेश चौधरी, भवानी शंकर, प्रकाश राठौड़, मनोज जीसी, मुकेश सेन तथा वाहन चालक कैलाश मेनारिया ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अर्बन स्क्वायर मॉल स्थित मैकडॉनल्ड स्टोर पर खाद्य विभाग की कार्रवाई, नियर एक्सपायरी उत्पादों के सैंपल सीज, एसपी ऑफिस से मिली शिकायत के बाद हुई जांच, लेबोरेट्री भेजे गए सैंपल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के प्रमुख अर्बन स्क्वायर मॉल में स्थित मैकडॉनल्ड के स्टोर में एक्सपायरी सॉस उपयोग की शिकायत पर शुक्रवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। यह जांच एसपी कार्यालय से प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक आदित्य के नेतृत्व में पहुंची टीम ने स्टोर और उसके गोदाम में रखे खाद्य उत्पादों की गहन जांच की। जांच के दौरान टीम को कोई भी स्पष्ट रूप से एक्सपायरी डेट वाला उत्पाद नहीं मिला, हालांकि कुछ 'नियर एक्सपायरी' यानी समाप्ति तिथि के करीब पहुंच चुके उत्पाद अवश्य पाए गए। टीम ने संदेहास्पद कुछ पैक्ड प्रोडक्ट्स को सीज करते हुए उनके सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। डॉ. अशोक आदित्य ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। डॉ. अशोक आदित्य, सीएमएचओ, उदयपुर ने आमजन से अपील की कि यदि किसी को भी खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

चाँदी ने तोड़े सारे रिकॉर्डः भाव पहुंचे नई ऊंचाइयों पर, सर्राफा बाजार में उत्साह

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्राफा बाजार में चाँदी ने नई ऊँचाई छू ली है। स्थानीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार चाँदी टंच (999 शुद्धता) का भाव आज 1,03,900 प्रति किलोग्राम तक पहुँच गया, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। वहीं चाँदी चौरसा का भाव भी 1,03,000 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। लगातार बढ़ते दामों ने निवेशकों और कारोबारियों दोनों का ध्यान खींचा है। सर्राफा व्यवसायी इंदरसिंह मेहता ने बताया कि सोने की बात करें तो स्टैंडर्ड (999) शुद्धता वाला सोना 99,000 प्रति 10 ग्राम रहा, जबकि 23 कैरेट जेवराती सोना 95,040 और 22 कैरेट सोना 91,080 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता देखा गया। यह सभी दाम GST सहित बताए गए हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चाँदी की माँग में तेजी और डॉलर में कमजोरी इसके पीछे प्रमुख कारण हैं। वहीं घरेलू स्तर पर त्योहारी और वैवाहिक सीजन की मांग ने भी इसे समर्थन दिया है। सर्राफा व्यापारियों का कहना है कि अगर यही रुझान बना रहा तो आने वाले दिनों में चाँदी के भाव 1,05,000 प्रति किलोग्राम का आंकड़ा भी पार कर सकते हैं। इससे न केवल निवेशकों को फायदा हो सकता है बल्कि आम उपभोक्ताओं की जेब पर भी असर पड़ना तय है।

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में पौधरोपण, संगोष्ठी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 जून। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जोगी तालाब, उदयपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि के रूप में उदयपुर के वाटर मैन डॉ पीसी जैन और पर्यावरणविद् रूघाराम पंवार उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य सीएस टाक ने अतिथियों को महाविद्यालय में स्थापित वाटर हार्वेस्ट्रिंग सिस्टम का अवलोकन करवाया। अतिथियों ने सराहना करते हुए भू-जल स्तर को बढाने में एक प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय कदम बताया। संगोष्ठी में डॉ पीसी जैन ने महाविद्यालय के स्टाफ व विद्यर्थियों को पीपीटी के माध्यम से वाटर हार्वेस्टिंग और अण्डर ग्राउण्ड वाटर को रिचार्ज करने के तरीकों और लाभ से अवगत कराया। रूघाराम पंवार ने पोधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की अपील की। कार्यक्रम में अन्त में प्रधानाचार्य सहित अतिथियों व विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

ओसवाल नगर, सुंदरवास में पैंथर की दस्तक से मचा हड़कंप, निवासियों में दहशत, वन विभाग की टीम को नहीं मिला पैंथर, मौके पर मिले पंजों के निशान

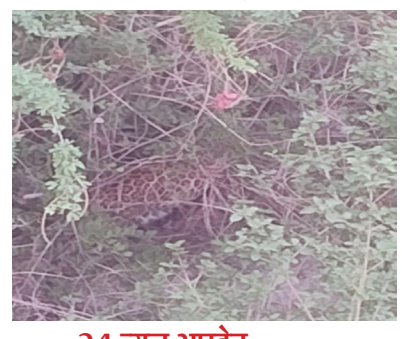

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के उत्तरी क्षेत्र सुंदरवास स्थित ओसवाल नगर में शुक्रवार सुबह एक बंद फैक्ट्री के पास पैंथर (तेंदुआ) देखे जाने की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह करीब 6:30 बजे एक स्थानीय निवासी ने फैक्ट्री के पास पैंथर को देखा, जिसके बाद तत्काल वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही विभाग की टीम सक्रिय हुई, लेकिन घटनास्थल पर पहुंचने में करीब डेढ़ घंटे का समय लग गया। जब तक टीम पहुंची, तब तक पैंथर वहां से जा चुका था। हालांकि, वन विभाग को मौके पर पैंथर के पंजों के स्पष्ट निशान मिले, जिससे उसकी उपस्थिति की पुष्टि हुई। इसके बाद विभाग द्वारा आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया, लेकिन अब तक पैंथर का कोई पता नहीं चल पाया है। पैंथर की मौजूदगी की खबर फैलते ही स्थानीय निवासियों में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया है। लोगों का कहना है कि यदि विभाग की टीम समय पर पहुंचती, तो शायद पैंथर को पकड़ने की संभावना बन सकती थी। अब तक किसी प्रकार की ताजा जानकारी नहीं मिलने से लोग डरे हुए हैं और बच्चों व बुजुर्गों को बाहर भेजने से भी कतरा रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में लगातार गश्त की जा रही है और पैंथर की तलाश जारी है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे सतर्क रहें, बिना कारण जंगल या सुनसान इलाकों की ओर न जाएं, और यदि पैंथर दोबारा दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी वन कार्यालय को सूचित करें। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में शहर से सटे इलाकों में जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ी है, जिसका मुख्य कारण शहरी विस्तार और वन क्षेत्रों में मानवीय दखल माना जा रहा है। वन विभाग ने पैंथर की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप और अन्य निगरानी संसाधनों के इस्तेमाल की संभावना भी जताई है।

‘मुन्नाभाई’ बन एम्स जोधपुर में लिया दाखिला, 4 साल बाद किया भंडाफोड़, डमी और मूल अभ्यर्थी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुरः नीट यूजी-2020 परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाकर एक युवक ने एमबीबीएस में एडमिशन लिया और चार साल में अकादमिक कोर्स पूरा कर लिया. अब पुलिस ने इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए मूल अभ्यर्थी, डमी के रूप में परीक्षा देने वाले एमबीबीएस स्टूडेंट (अब डॉक्टर) और एक बिचौलिए को दबोच लिया है. इनमें से दो आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है. जबकि बिचौलिए को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. यह मामला नीट यूजी-2020 से जुड़ा है. मूल अभ्यर्थी ने 60 लाख रुपए में सौदा कर खुद की जगह उस समय एमबीबीएस स्टूडेंट को परीक्षा में बिठाया और एंट्रेंस पास कर एमबीबीएस में दाखिला ले लिया.

जयपुर (पश्चिम) डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि एक परिवादी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है. जिसमें नीट यूजी-2020 के अभ्यर्थी सचिन गोरा और डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने वाले अजित गोरा को गिरफ्तार किया गया है. दोनों के बीच सौदा करवाने वाले सुभाष सैनी को भी हिरासत में लिया गया है. उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा. उन्होंने बताया, परिवादी ने शिकायत में बताया कि नीट यूजी-2020 परीक्षा में सचिन गोरा ने अजित गोरा की फोटो लगाकर आवेदन किया था. सचिन की जगह अजीत ने डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा दी. इस परीक्षा में 667 अंक आने के बाद सचिन ने एम्स जोधपुर में एमबीबीएस में दाखिला लिया. इस पर चौमूं थाने में मुकदमा दर्ज कर एसीपी चौमूं अशोक चौहान ने जांच शुरू की.

दोनों आरोपी 8 दिन की रिमांड परः उन्होंने बताया कि पुलिस ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, नई दिल्ली, जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज, भरतपुर और एम्स जोधपुर से रिकॉर्ड मंगवाकर विश्लेषण किया. दस्तावेजों की पड़ताल में फर्जीवाड़े के सबूत मिलने पर पुलिस ने ढाणी कचौलिया (चौमूं) निवासी सचिन गोरा और लक्ष्मी विहार (चौमूं) निवासी अजीत गोरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर आठ दिन की रिमांड पर लिया गया है.

सुभाष सैनी ने करवाया था सौदाः पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि नीट यूजी-2020 में सचिन गोरा की जगह डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने वाला अजीत गोरा उस समय एमबीबीएस का स्टूडेंट था. वह जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज, भरतपुर से एमबीबीएस करने के बाद अभी इंटर्नशिप कर रहा है. अजीत और सचिन के बीच सौदा करवाने में सुभाष सैनी की भूमिका सामने आई है. उसने ही सचिन से 60 लाख रुपए लिए थे. सुभाष सैनी फिलहाल घाटवा में कॉमन हेल्थ ऑफिसर के पद पर कार्यरत है. उसने आयुर्विज्ञान की डिग्री पास की है.

सुभाष के खिलाफ पहले से दर्ज है एक मुकदमाः पुलिस ने पड़ताल की तो सामने आया कि जैतपुरा (चौमूं) निवासी सुभाष सैनी के खिलाफ पहले भी परीक्षा में धांधली का एक मुकदमा दर्ज है. उसने पहले भी नीट पीजी परीक्षा पास करवाने के नाम पर 65 लाख रुपए लिए थे. इस संबंध में एक मुकदमा दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था. अब पुलिस इस मामले में गहनता से अनुसंधान और आरोपियों से पूछताछ कर रही है. पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना है.

बारां पुलिस ने लूटपाट करने वाले 7 शातिर बदमाशों को धरदबोचा, रात्रि में शादी समारोह से लौट रहे लोगों को बनाते थे निशाना

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 6 जून। बारां जिले की थाना मांगरोल पुलिस ने साइबर सेल की मदद से रात के अंधेरे में सुनसान रास्तों पर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देने वाले 7 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। ये गिरोह विशेष रूप से शादी समारोहों से लौट रहे लोगों को निशाना बनाता था।

पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने लूटपाट की घटनाओं का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस ने मामले में आरोपी रमननाथ उर्फ प्रमोद उर्फ मौत पुत्र शिवभरोस योगी (20) निवासी खानपुरिया मांगरोल, रौनक मीणा पुत्र बृजराज मीणा निवासी मांगरोल, अंकित बैरवा पुत्र दीनदयाल (20), गोविन्द गुर्जर पुत्र गंगाधर (23) व विकास बैरवा पुत्र वेदप्रकाश (19) निवासी रावल जावल मांगरोल, रोहित सैन पुत्र गिर्राज (24) निवासी मऊ मांगरोल एवं मनोज मीणा पुत्र रामस्वरुप (19) निवासी रामपुरा भगतान मांगरोल को गिरफ्तार किया गया है।

इन बदमाशों की धरपकड़ का अभियान दो महत्वपूर्ण लूट के मामलों से शुरू हुआ थाः

27 मई 2025 को हुई वारदातः फरियादी महावीर नागर ने मांगरोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 मई की रात करीब 1-1:30 बजे जब वह अपनी बाइक से लक्ष्मीपुरा गांव लौट रहे थे तो बमोरी कलां स्थित अस्पताल तिराहे पर उन्हें एक बाइक पर सवार तीन-चार व्यक्ति मिले। उन्होंने बातचीत के लिए मोबाइल मांगा और जैसे ही महावीर ने अपना कीपैड मोबाइल दिया उनमें से दो बदमाश उनकी मोटरसाइकिल और मोबाइल लेकर फरार हो गए। डर के मारे महावीर ने तुरंत किसी को नहीं बताया। लेकिन बाद में अपने रिश्तेदार को पूरी बात बताई और मामला दर्ज कराया। 2 जून 2025 को हुई वारदातः इसी तरह, 2 जून 2025 को फरियादी गोरधनलाल माली ने मांगरोलथाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने बेटे दिव्यांश सुमन के साथ मांगरोल से बारां लौट रहे थे। सुबह करीब 4:15 बजे बोहत पेट्रोल पंप के आगे एक काली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार तीन लड़कों ने उन्हें रोका। कट्टे जैसा हथियार दिखाकर उन्होंने उसका मोबाइल, सोने की चेन, सोने की अंगूठी और पर्स में रखे करीब 1000 छीन लिए।

पुलिस की मुस्तैदी और टीम वर्कः

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी चौधरी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के निर्देशन और वृताधिकारी वृत्त अन्ता सोजीलाल मीणा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम में थानाधिकारी महेंद्र कुमार मीणा के साथ जाप्ता और साइबर सेल की टीम भी शामिल थी। अज्ञात मुल्जिमों की तलाश के लिए जगह-जगह संभावित स्थानों, घटनास्थल के आसपास के इलाकों में गहनता से पड़ताल की गई। मुखबिरों से मिली जानकारी और तकनीकी संसाधनों का भी भरपूर उपयोग किया गया, जिसने अपराधियों तक पहुँचने में अहम भूमिका निभाई।

लूट का शातिर तरीकाः

पुलिस जांच में सामने आया कि ये बदमाश रात के समय अक्सर शादी समारोहों या अन्य आयोजनों से लौट रहे लोगों को निशाना बनाते थे। वे सुनसान रास्तों पर घात लगाकर बैठते थे और मौका देखकर पीड़ित की मोटरसाइकिल के आगे अपनी मोटरसाइकिल लगाकर उन्हें रोकते थे। इसके बाद वे मोबाइल से बात करने का बहाना बनाकर मोबाइल छीन लेते थे और फिर हथियारों का डर दिखाकर नकदी, जेवरात और मोटरसाइकिल भी छीनकर फरार हो जाते थे।

7 बदमाश गिरफ्तार, अन्य वारदातों का भी कबूलनामाः

तकनीकी जानकारी और मुखबिरों की सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने सात संदिग्धों को हिरासत में लिया। गहन पूछताछ में इन सभी ने बमोरी कलां और बोहत गांव के पास हुई दोनों वारदातों के साथ किशनपुरा रोड मांगरोल और थाना सीसवाली क्षेत्र में सीसवाली रोड पर की गई कुछ अन्य वारदातों को भी कबूल किया है। पुलिस अब इन सभी मामलों में गहनता से अनुसंधान कर रही है ताकि लूटे गए माल को बरामद किया जा सके और उनके किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क से जुड़े होने की संभावनाओं की भी जांच की जा सके।

इस कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी एएसआई जगदीश चंद्र शर्मा सहित थाना मांगरोल से कांस्टेबल हरिशंकर, राकेश कुमार, चेतन व रामचरण की विशेष भूमिका रही। बारां पुलिस की यह कार्रवाई निश्चित रूप से क्षेत्र में अपराधों पर लगाम लगाने में सहायक होगी और आमजन में सुरक्षा का भाव पैदा करेगी।

“राजस्थान में खान विभाग की डिजिटल क्रांतिः लीज इंफॉर्मेशन और डिमांड सिस्टम पूरी तरह ऑनलाइन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान सरकार के खान विभाग ने प्रदेश के लीजधारकों को बड़ी राहत देते हुए लीज इंफॉर्मेशन सिस्टम (LIS) और डिमांड सिस्टम को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। अब लीजधारक एक क्लिक पर अपनी लीज प्रोफाइल, संबंधित दस्तावेज और देय राशि की जानकारी ऑनलाइन देख सकेंगे और भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से कर सकेंगे। प्रमुख शासन सचिव, खान विभाग श्री टी. रविकान्त ने जानकारी दी कि विभाग की इस नई व्यवस्था के तहत अब खनिज अभियंता (ME) और सहायक खनिज अभियंता (AME) द्वारा समस्त दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा। लीजधारक अपनी लीज से जुड़ी सभी जानकारियां जैसे लीज की स्थिति, ‘कंसेंट टू ऑपरेट’, अनुमोदित माइनिंग प्लान, डेडरेंट, खनिज खनन की जानकारी आदि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। उन्होंने बताया कि लीजधारकों द्वारा राज्य सरकार को देय राशि की जानकारी भी अब ऑनलाइन ही प्राप्त की जा सकेगी और राशि जमा कराने की प्रक्रिया भी डिजिटल रूप से संपन्न होगी। इससे लीजधारकों को विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उनका समय व धन दोनों की बचत होगी। मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा खनिज प्रक्रिया को पारदर्शी, उत्तरदायी और सरल बनाने के दिए गए निर्देशों के अनुरूप यह कदम उठाया गया है। इससे पहले विभाग द्वारा माइनिंग प्लान अनुमोदन की संपूर्ण प्रक्रिया को भी पूरी तरह डिजिटल किया जा चुका है, जो विभागीय सुधारों की दिशा में एक सशक्त पहल रही है। श्री टी. रविकान्त ने कहा कि यह पारदर्शिता और डिजिटलीकरण की दिशा में एक और मजबूत कदम है, जिससे प्रदेश की हजारों की संख्या में लीजधारक सीधे लाभान्वित होंगे। इससे न केवल विभाग की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावशाली बनेगी, बल्कि शासन की ई-गवर्नेंस की दिशा में प्रतिबद्धता भी सशक्त होगी।

फर्जी पीएम किसान ऐप से साइबर ठगी का नया जाल : एपीके फाइल डाउनलोड करते ही हैक हो रहा मोबाइल, बैंक खातों पर भी नजर

राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने जारी की एडवाइजरी, सतर्क रहने की अपील

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 06 जून। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के नाम पर इन दिनों सोशल मीडिया पर एक नया साइबर जाल फैलाया जा रहा है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर किसान सम्मान निधि योजना की मोबाइल एप्लीकेशन होने का दावा करने वाला एक फर्जी लिंक या एपीके फाइल शेयर कर लोगों को फांस रहे है। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को इस संबंध में सतर्क करते हुए एडवाइजरी संख्या 11/2025 जारी की है।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि एडवाइजरी के अनुसार, पीएम किसान रजिस्ट्रेशन एवं पीएम किसान योजना की फर्जी एपीके फ़ाइल ‘व्हाट्सएप ग्रुप्स व अन्य माध्यमों से शेयर की जा रही है। दावा किया जा रहा है कि इस ऐप के जरिए किसान योजना में घर बैठे रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और तुरंत लाभ पा सकते हैं।

एसपी कुमार ने बताया कि लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि इस फर्जी एपीके फाइल के जरिए बैकडोर मैलवेयर मोबाइल में इंस्टॉल हो जाता है। इससे मोबाइल का नियंत्रण साइबर अपराधियों के पास चला जाता है। अपराधी फिर मोबाइल स्क्रीन रिकॉर्डिंग, ओटीपी, बैंकिंग एप्स व अन्य संवेदनशील जानकारी हासिल कर बैंक खातों से अवैध रूप से धन निकाल रहे हैं।

साइबर क्राइम शाखा ने स्पष्ट किया है कि पीएम किसान योजना में रजिस्ट्रेशन सिर्फ तहसील स्तर के कृषि कार्यालय, केंद्र सरकार के पोर्टल या सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) के माध्यम से ही किया जाता है। इस योजना की आधिकारिक वेबसाइट https://pmkisan.gov.in है। यदि मोबाइल एप डाउनलोड करनी हो तो केवल गूगल प्ले स्टोर से आधिकारिक ऐप ही डाउनलोड करें।

साइबर क्राइम शाखा ने आमजन, विशेषकर किसानों और ई-मित्र संचालकों से अपील की है कि किसी भी फर्जी लिंक या ऐप से सावधान रहें। यदि ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, https://cybercrime.gov.in पोर्टल या निकटतम पुलिस थाना/साइबर थाना पर सूचना दें।

पुलिस ने कहा कि समय-समय पर साइबर अपराधी अपनी रणनीति बदल रहे हैं। ऐसे में सजगता व जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

सरदारशहर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः सामूहिक दुष्कर्म मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 06 जून। चूरू जिले की सरदारशहर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए सामूहिक दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी हरलाल मेघवाल पुत्र घडसी राम निवासी पिथीसर जिला चूरू को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी एसपी जय यादव के निर्देशानुसार हुई है, जो महिला अपराधों पर अंकुश लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

घटना और प्रारंभिक जांच- एसपी यादव ने बताया कि मामला 8 फरवरी, 2025 को सरदारशहर पुलिस थाने में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी बहन का हरलाल और अन्य लोगों द्वारा जबरन अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के आधार पर, सरदारशहर पुलिस ने तत्काल प्रकरण संख्या 60/2025, धारा 70(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। अनुसंधान का जिम्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसंधान सेल सतपाल सिंह को सौंपा गया, जिन्होंने तेजी से कार्रवाई शुरू की।

इस गंभीर अपराध और महिला अपराध की संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र दादरवाल और वृताधिकारी सरदारशहर रोहित सांखला के निर्देशन में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतपाल सिंह के नेतृत्व में थानाधिकारी मदनलाल सहित इन टीमों ने घटना की सूचना मिलते ही तत्काल विभिन्न स्थानों पर दबिश देना शुरू कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने और व्यापक छापेमारी के बाद पुलिस ने 12 मई को दो आरोपियों शिशराम जाट पुत्र मालाराम (30) निवासी रायपुरिया थाना रतननगर और रामनिवास मेघवाल पुत्र मोहनराम (36) निवासी रायपुरिया थाना रतननगर को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। **मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी -** मामले का मुख्य आरोपी हरलाल लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था और गिरफ्तारी के डर से छिप रहा था। पुलिस टीमों ने हार नहीं मानी और उसकी तलाश में लगातार जगह-जगह दबिश देती रहीं। आखिरकार अथक प्रयासों के बाद हरलाल को दस्तयाब कर लिया गया। पूछताछ के दौरान उसके खिलाफ आरोप प्रमाणित पाए गए, जिसके बाद उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया।

वर्तमान में हरलाल से गहन पूछताछ और आगे का अनुसंधान जारी है। इस गिरफ्तारी को सरदारशहर पुलिस की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, जो महिला अपराधों के खिलाफ उनकी सक्रियता और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विजय माल्या ने कहा - अरुण जेटली को जानकारी देकर गया था विदेश, मैं चोर नहीं, भगोड़ा भी नहीं, बैंकों ने 6200 करोड़ के बदले वसूले 14,000 करोड़

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली | किंगफिशर एयरलाइंस के संस्थापक और शराब कारोबारी विजय माल्या ने नौ साल की चुप्पी तोड़ते हुए पहली बार यूट्यूब पॉडकास्ट में अपनी बात रखी। 6,200 करोड़ रुपए के बैंक लोन विवाद में घिरे माल्या ने दावा किया कि वे चोर नहीं हैं, उन्होंने भागने की योजना नहीं बनाई थी, और बैंकों ने उनसे 14,131 करोड़ रुपए की वसूली की है, जो मूल कर्ज से ढाई गुना है। माल्या ने बताया कि 2 मार्च 2016 को वे जेनेवा में FIA की बैठक में शामिल होने के लिए लंदन रवाना हुए थे, और उन्होंने उस वक्त के वित्त मंत्री अरुण जेटली को इसकी जानकारी दी थी। उनका कहना है कि पासपोर्ट रद्द हो जाने के कारण वे लंदन में अटक गए। “यह कोई एस्केप प्लान नहीं था, और मुझे ‘भगोड़ा’ या ‘चोर’ कहना गलत है।”

किंगफिशर की कहानीः सपने से संकट तक

2005 में बेटे सिद्धार्थ के 18वें जन्मदिन पर शुरू हुई किंगफिशर एयरलाइंस को माल्या ने कम कीमत पर प्रीमियम फ्लाइंग अनुभव देने के उद्देश्य से शुरू किया था। 2008 तक यह भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन बन गई थी। लेकिन वैश्विक मंदी, तेल की बढ़ती कीमतें, और सरकार की नीतियों ने कंपनी को भारी घाटे में डाल दिया। उन्होंने UB ग्रुप से 3,000 करोड़ लगाए, लेकिन 2012 में एयरलाइन बंद हो गई। माल्या ने कहा, “कुछ कर्मचारियों की सैलरी नहीं दे पाया, यह मेरी असफलता रही। कोई बहाना नहीं है।” उन्होंने कर्नाटक हाईकोर्ट में 260 करोड़ रुपए रिलीज कराने की याचिका भी दायर की थी, लेकिन बैंकों की आपत्तियों के चलते राशि जारी नहीं हो सकी। माल्या ने बताया कि उन्होंने 17 बैंकों से 6,203 करोड़ का लोन लिया था। लेकिन अब तक बैंकों ने उनकी संपत्तियों से 14,131.6 करोड़ रुपए वसूल कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि 2012 से 2015 के बीच वे चार बार सेटलमेंट ऑफर दे चुके हैं, जिनमें एक 5,000 करोड़ का ऑफर भी शामिल था, जिसे बैंकों ने ठुकरा दिया।

CBI और ED के आरोपों को बताया बेबुनियाद

CBI ने माल्या पर ब्रांड वैल्यूएशन और प्राइवेट जेट के दुरुपयोग का आरोप लगाया, जबकि ED ने 3,547 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है। इस पर माल्या ने कहा, “हमारी एयरलाइन के 50% खर्च विदेशी मुद्रा में थे, यह मनी लॉन्ड्रिंग कैसे हुआ? IDBI बैंक का 900 करोड़ रुपए का लोन भी चुका चुका हूं।” माल्या ने बताया कि उनका जन्म कोलकाता में हुआ। उनके पिता विट्ठल माल्या, UB ग्रुप के चेयरमैन थे। “18 साल की उम्र में मुझे एक छोटी कंपनी का CEO बनाया गया। 27 साल की उम्र में पिता के निधन के बाद UB ग्रुप संभाला।” उन्होंने किंगफिशर बीयर को युवाओं का ब्रांड बनाया, मैकडॉवेल्स को विश्व की नंबर-1 व्हिस्की बनाया और बर्जर पेंट्स को 25 देशों में फैलाकर बेचा।

“भारत में बिजनेस करना आसान नहीं”

माल्या ने कहा, “भारत की नौकरशाही बिजनेस की सबसे बड़ी बाधा है। 29 राज्यों की अलग-अलग नीतियां हैं। नेताओं की चुनावी मांगें भी बड़ी चुनौती होती हैं। मैंने कभी रिश्वत नहीं दी, सिर्फ शराब दी क्योंकि मेरी कंपनी सबसे बड़ी थी।” अपने 60वें जन्मदिन की पार्टी पर उठे विवाद को लेकर उन्होंने कहा, “यह पार्टी मैंने अपनी जेब से दी थी। अगर लंदन में करता तो शायद किसी को खबर न होती।” माल्या ने कहा कि वह लंदन में छह कुत्तों के साथ रहते हैं। उनकी आय विदेशी शराब कंपनियों से होती है। वे कहते हैं, “अगर भारत में निष्पक्ष सुनवाई मिले तो लौटने को तैयार हूं, चाहे जेल ही क्यों न हो।”

“मेरे काम को धोखाधड़ी न समझें”

उन्होंने अंत में कहा, “मैं चाहता हूं कि लोग मुझे 1.75 लाख करोड़ की मार्केट कैप बनाने वाले मेहनती बिजनेसमैन के रूप में याद करें, न कि चोर के रूप में। भारत में बिजनेस फेल हो जाए तो उसे फ्रॉड मान लिया जाता है।” माल्या ने बताया कि उन्होंने सबरीमाला और तिरुपति मंदिरों में सोना दान किया है और ईश्वर में विश्वास रखते हैं। “अगर यह कठिन समय भगवान की इच्छा है, तो मैं उसे स्वीकार करता हूं।” भारत सरकार विजय माल्या को प्रत्यर्पित कर भारत लाने के लिए कानूनी प्रयास जारी रखे हुए है। लंदन की अदालतों में यह मामला अभी भी लंबित है।

निर्जला एकादशी पर तप, तर्पण और तिरंगा भाव, मंदिरों में पूजन, आसमान में देशभक्ति की पतंगें

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। तेज गर्मी के बीच शुक्रवार को निर्जला एकादशी ने उदयपुर को भक्तिभाव, संयम और सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर कर दिया। दिनभर मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चना का क्रम चलता रहा, शाम को फतहसागर का आसमान देशभक्ति से ओतप्रोत पतंगों से सज उठा। श्रद्धालुओं ने निर्जल निराहार व्रत रखकर भगवान विष्णु की आराधना की और दान पुण्य के सिलसिले चलते रहे। शहर के प्रमुख मंदिरों जगदीश मंदिर, अस्थल आश्रम व श्रीनाथजी की हवेली में शुक्रवार सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। वे कतार में लग कर दर्शन कर रहे हैं तो भजनों से भाव विभोर हो रहे हैं। आम, खरबूज, पंखे और जल कलश सहित भक्तों ने भगवान विष्णु के समक्ष भोग अर्पित किए हैं। तुलसी पूजन के साथ निर्जल व्रत रखा जा रहा हैं एकादशी पर शिव, सिद्ध और रवि योग का अद्भुत संयोग भी इसे और अधिक फलदायक बना रहा है। उदयपुर में निर्जला एकादशी पर पतंगबाजी का चलन है। यहां पर मकर संक्रांति की जगह आज पतंगें उड़ाई जाती हैं। इस बार शाम को फतहसागर झील के किनारे पतंगों का रंगीन महोत्सव देखने को मिला। लेकसिटी काइट क्लब की ओर से इस बार उत्सव की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' राखी गई। प्रसिद्ध पतंगबाज अब्दुल कादिर और उनकी टीम ने जय हिंद, आई लव उदयपुर, ऑक्टोपस, पैराशूट, कोबरा और गोल चकरी जैसी अनूठी पतंगें उड़ाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 500 'रेलगाड़ी' और 100 लाल रंग की पतंगें भी आकाश में लहराई।जिला प्रशासन ने चाइनीज मांझे की बिक्री पर विशेष निगरानी रखी है और सतर्कता के निर्देशजारीकिएहैं

पानी पुरी के ठेले से जेईई तकः रेडिएंट व MDS स्कूल के छात्र मनन ने रचा इतिहास, सांसद ने किया सम्मान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. शहर के एक साधारण पानी पुरी विक्रेता के बेटे ने अपनी कड़ी मेहनत, परिवार के समर्थन और संस्थागत सहयोग से देश की सबसे कठिन इंजीनियरिंग परीक्षा में सफलता की कहानी लिख दी। मनन साहू ने जेईई एडवांस 2024 में ओबीसी कैटेगरी में 9878वीं रैंक प्राप्त कर उदयपुर का नाम रोशन किया है। मनन के पिता कुंदन लाल साहू बंशी पान क्षेत्र में पानी पुरी का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इसी ठेले के पास जाकर उदयपुर सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने मनन और उनके पिता का पारंपरिक मेवाड़ी पगड़ी और उपरणा पहनाकर सम्मान किया।

रेडिएंट और MDS ने निभाई अहम भूमिका

मनन ने MDS स्कूल में पढ़ाई की और रेडिएंट एकेडमी से जेईई की कोचिंग ली। 11वीं में कोचिंग लेने की इच्छा जताने पर आर्थिक सीमाएं आड़े आईं, लेकिन एमडीएस के अकादमिक प्रमुख डॉ शैलेंद्र सोमानी व रेडिएंट के निदेशकों ने उसका सपना टूटने नहीं दिया। मनन ने बताया कि मनन ने बताया कि एमडीएस के निदेशक डा शैलेन्द्र सोमानी, रेडिएंट एकेडमी के निदेशक व एकेडमिक हेड कमल पटसारिया, और शिक्षकों जम्बू जैन, नितिन सोहाने तथा शुभम गालव के मार्गदर्शन से उन्हें सही दिशा मिली। संस्था ने न केवल फीस में बड़ी राहत दी, बल्कि मनोबल भी लगातार बनाए रखा।

संघर्षों से सीखा, ठेले पर भी निभाई ज़िम्मेदारी

मनन ने अपनी पढ़ाई के साथ पिता के ठेले पर भी हाथ बंटाया। वह स्वयं ग्राहकों को पानी पुरी परोसता था, लेकिन मन किताबों में ही डूबा रहता था। उसने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 95% अंक हासिल किए और इंजीनियर बनने का सपना देखना शुरू किया। सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने इस संघर्षशील छात्र को "सच्ची प्रेरणा" बताया और कहा कि यदि मनन को आगे की पढ़ाई में किसी प्रकार की सहायता की जरूरत हुई, तो वे सदैव सहयोग को तैयार रहेंगे। जेईई एडवांस में सफलता के बाद मनन अब किसी प्रतिष्ठित एनआईटी में बीटेक में दाखिले की तैयारी कर रहा है। उसका लक्ष्य है कि एक सफल इंजीनियर बनकर अपने परिवार को बेहतर जीवन दे सके।

जगदीश मंदिर में नई व्यवस्था बनी विवाद का कारण, पुजारियों ने जताई नाराजगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। निर्जला एकादशी के अवसर पर उदयपुर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर में भक्ति के माहौल के बीच एक नई व्यवस्था विवाद का कारण बन गई। देवस्थान विभाग द्वारा मंदिर परिसर में पहली बार "भेंट काउंटर" की शुरुआत की गई, जिसे लेकर पुजारी समुदाय और स्थानीय भक्तों ने कड़ी आपत्ति जताई। मंदिर में सेवाएं दे रहे पुजारी परिवार का कहना है कि यह मंदिर "आत्मनिर्भर" श्रेणी में आता है, जहां परंपरा अनुसार पुजारी ही व्यवस्था संभालते हैं और यहीं से मंदिर की आय संचालित होती है। पुजारी परिवार ने स्पष्ट किया कि मंदिर के इतिहास में पहली बार बिना सूचना के इस तरह की व्यवस्था लागू की गई, जो स्वीकार्य नहीं है। दर्शन बंद करने की चेतावनी विवाद इतना बढ़ गया कि पुजारियों ने विरोध स्वरूप मंदिर में दर्शन रोकने की चेतावनी दे दी। भक्तों का तर्क था कि धार्मिक आस्थाओं से जुड़े स्थानों पर किसी भी नई व्यवस्था को लागू करने से पहले सभी पक्षों से संवाद जरूरी है। जैसे ही यह खबर फैली, स्थानीय श्रद्धालुओं और नियमित भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में एकत्र हो गई। सभी ने एक स्वर में नई व्यवस्था पर सवाल उठाए। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त जतिन गांधी ने सफाई दी कि परिक्रमा मार्ग में व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से भेंट काउंटर एक प्रयोग के तौर पर लगाया गया था। हालांकि, स्थानीय विरोध के चलते तुरंत प्रभाव से इसे बंद कर दिया गया। विवाद और बढ़ गया जब मंदिर परिसर में विभागीय कर्मियों को जूते पहनकर प्रवेश करते देखा गया। श्रद्धालुओं ने इस पर भी नाराजगी जाहिर की और इसे धार्मिक मर्यादा का उल्लंघन बताया। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने मामले की जानकारी मिलने पर देवस्थान विभाग को समुचित जांच और संतुलनपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फतहसागर झील किनारे जल पूजन व स्वच्छता कार्यक्रम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 जून। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की शहरी जन योजना के अंतर्गत 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत फतहसागर झील के देवाली छोर पर जल पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण के प्रति जन-जागरण और सहभागिता की प्रेरणा दी गई। मुख्य अतिथि उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा रहे। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी रवींद्र श्रीमाली, वयोवृद्ध शिक्षाविद हरिश्चंद्र शर्मा, शिक्षा सलाहकार समिति के मनोनीत सदस्य जिनेंद्र शास्त्री एवं रणजीत सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक फूल सिंह मीणा ने कहा कि जल ही जीवन है यह केवल नारा नहीं, बल्कि भविष्य की सच्चाई है। जल का बचाव एवं संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वक्ताओं ने मुख्यमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान की सराहना करते हुए इसे जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम का संचालन अधिशासी अभियंता अखिलेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर फतहसागर झील के देवाली छोर पर सफाई अभियान भी चलाया गया, जिसमें अतिथियों सहित स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक आयोजित

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद, 6 जून। नवगठित जिला ब्यावर की जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में माननीय सांसद राजसमंद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले के जनप्रतिनिधियों तथा जिला स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में भाग लेने से पूर्व माननीय सांसद द्वारा विधिविधान से पीपल का वृक्षारोपण कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनों को जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और हरियाली के महत्व पर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण मात्र औपचारिकता न रहे, बल्कि इसके संरक्षण और संवर्धन की भी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

बैठक की शुरुआत प्लास्टिक मुक्त ब्यावर अभियान के अंतर्गत जैव अपघटनीय बायो बैग्स के वितरण से हुई। सांसद द्वारा बायो बैग्स की विशेषताओं की सराहना की गई। उन्होंने बताया कि पर्यावरण हितैषी यह पहल शहर को प्लास्टिक से मुक्त करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। इसी क्रम में माहेश्वरी पंचायत बोर्ड द्वारा भी इको-फ्रेंडली बैग्स का वितरण किया गया।

सांसद ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा, समर्पण और निर्भयता के साथ क्रियान्वित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं समाज के हर वर्ग से जुड़ी हैं और इनका प्रभावी क्रियान्वयन देश की सामाजिक-आर्थिक उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में विशेष रूप से महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। श्रमिकों के भुगतान की स्थिति, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाने और इसमें आ रही बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए गए।

विधायक श्री शंकर सिंह रावत ने बैठक में नरेगा की कार्यशैली, श्रमिकों की भागीदारी तथा श्रमिक कार्ड की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने योजनाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं की वास्तविक सफलता तब ही मानी जाएगी जब इनसे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ हो।

जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत ने बैठक में सांसद एवं विधायक महोदय द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ योजनाओं को समयबद्ध रूप से लागू करें और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरतें।

बैठक में केंद्र सरकार की 60 से अधिक प्रमुख योजनाओं पर बिंदुवार चर्चा की गई, जिनमें ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण, पंचायती राज, जल संसाधन, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, शहरी विकास, श्रम एवं रोजगार, अल्पसंख्यक कल्याण, खेल एवं युवा मामले, सामाजिक न्याय, खान मंत्रालय, सड़क परिवहन तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे मंत्रालयों की योजनाएं शामिल थीं।

दिशा समिति की इस बैठक के माध्यम से जिले के विकास कार्यों की निगरानी को सशक्त बनाते हुए योजनाओं के कुशल, पारदर्शी और जनहितैषी क्रियान्वयन का संकल्प दोहराया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री श्याम सिंह ,अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री मोहनलाल खटनावलिया, नगर परिषद आयुक्त व उपखंड अधिकारी श्री दिव्यांश सिंह, एसीईओ श्री गोपाललाल सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्थान से पहली एसी तीर्थ ट्रेन रवानाः मुख्यमंत्री ने दी हरी झंडी, 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगी योजना का लाभ

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025-26 का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने किया। उन्होंने जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से वातानुकूलित 'राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन रामेश्वरम और मदुरई जैसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों की ओर प्रस्थान कर चुकी है। इस ट्रेन में शामिल वरिष्ठजनों से मिलकर मुख्यमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और सुखद यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की नींव और मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने जीवनभर समाज, परिवार और राष्ट्र के लिए जो योगदान दिया है, उसे सम्मान देने का यह एक प्रयास है। उन्होंने कहा, "वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना सेवा, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।"

तीर्थ स्थल – संस्कृति और भाईचारे का संगम

श्री शर्मा ने कहा कि देश के तीर्थ स्थल केवल धार्मिक आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति को जोड़ने वाले जीवंत केंद्र हैं। ये स्थल समाज में भाईचारा और एकता को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने शंकराचार्य द्वारा चार धामों की स्थापना का उल्लेख करते हुए तीर्थों के महत्व को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष योजना के अंतर्गत 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को 13 तीर्थ स्थलों की यात्रा एसी ट्रेनों के माध्यम से करवाई जाएगी। साथ ही, 6 हजार श्रद्धालुओं को हवाई मार्ग से नेपाल स्थित भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन भी कराए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा यात्रा के दौरान भोजन, ठहराव और अन्य सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रधानमंत्री मोदी से मिली विरासत को नई ऊर्जा

मुख्यमंत्री ने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश की धार्मिक विरासत और सनातन संस्कृति को नया आयाम मिला है। सोमनाथ, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और रामलला प्राण प्रतिष्ठा जैसे कार्यों से देश की संस्कृति को बल मिला है।

उदयपुर में निजी स्कूलों की मनमानी पर ग्राहक पंचायत सख्त, जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 जून। उदयपुर जिले में निजी स्कूलों द्वारा किताबों, स्टडी मटेरियल और यूनिफॉर्म को लेकर की जा रही मनमानी के खिलाफ अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर नमित मेहता को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बावजूद निजी स्कूल मनमर्जी से अलग-अलग प्रकाशकों की महंगी किताबें चलाकर अभिभावकों पर आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। जिला सचिव नारायण पंचोली ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार निजी स्कूलों को केवल बोर्ड द्वारा स्वीकृत पुस्तकें चलानी चाहिए तथा उनके लेखक, प्रकाशक और मूल्य की सूची विद्यालय के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करनी चाहिए। लेकिन उदयपुर के कई निजी स्कूल इन निर्देशों की पूरी तरह से अवहेलना कर रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया कि निजी स्कूल एनसीईआरटी जैसी किताबों की जगह महंगी निजी प्रकाशनों की किताबें थोप रहे हैं। उदाहरण के लिए, छोटी कक्षाओं में जिन किताबों की असली कीमत लगभग 300 से 400 रुपये है, उनकी जगह अभिभावकों से 3500 से 4000 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। इससे स्कूल प्रबंधन को मोटा कमीशन मिल रहा है और अभिभावकों की जेब पर भारी मार पड़ रही है। पंचायत ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्कूल यूनिफॉर्म, जूते और स्टेशनरी के लिए भी अभिभावकों को विशेष दुकानों से खरीदारी के लिए बाध्य कर रहे हैं, जिससे खुले बाजार की प्रतिस्पर्धा खत्म हो रही है और अभिभावकों को महंगी दरों पर सामग्री खरीदनी पड़ रही है। संगठन ने मांग की कि सरकार इस मनमानी पर रोक लगाए और निजी स्कूलों को केवल सरकारी गाइडलाइन के अनुसार कोर्स चलाने के लिए बाध्य करे। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई विद्यालय नियमों का उल्लंघन कर रहा है तो उस पर उचित प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल, जिला अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, जिला सचिव नारायण पंचोली, रमेश जोशी, फतहलाल पारिक, राजेन्द्र स्वर्णकार, नरोत्तम गौड़, महिला मंत्री संगीता जैन सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से मांग की कि इस महंगाई के दौर में अभिभावकों को राहत देने के लिए सरकार सख्ती से गाइडलाइन लागू करवाए।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।